Input output theory of David Easton

आगत निर्गत विश्लेषण डेविड ईस्टन की इसकी संकल्पना करने, इसे वैज्ञानिक बनाने और इसके और भी बढ़ाने का श्रेय है।

आगत निर्गत विश्लेषण में एक ऐसी प्रक्रिया निहित है जिसके बारे में कहा जा सकता है कि इसमें पर्यावरण से आगत आते हैं या स्वयं राजनीतिक व्यवस्था में आगत पैदा होते हैं और व्यवस्था के भीतर इन आगतों के रूपांतरण और पर्यावरण में निर्गत के रूप में उनका उत्पादन होता है।

आगत - निर्गत विश्लेषण के अन्तर्गत बुनियादी इकाई के रूप में व्यवस्था पर और अनुसंधान के प्रधान क्षेत्रों के रूप में विभिन्न व्यवस्थाओं के अन्तः व्यवस्था और अन्तरव्यवस्था व्यवहार पर बल दिया जाता है।

व्यवस्था विश्लेषण के मुख्यतः दो घटक हैं। मूर्त व्यवस्था जो व्यक्तियों के समूह को निर्देशित करती है और मानवों को बुनियादी घटकों के रूप में समझती है।
विश्लेषणात्मक व्यवस्था का सम्बन्ध अमूर्त तत्वों से है और इसका केन्द्र बिन्दु मानव व्यवहार से कुछ चुने हुए तत्व है।

यह उपागम सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं को खुला और अनुकूलक समझता है। इसका मुख्य बल इन विनिमयों और आदान प्रदानों की प्रकृति पर है जो राजनीतिक व्यवस्था ... इसके पर्यावरण में होते ...

नहीं किया जाता है। यह सावधानी से शांतिपूर्ण, क्रमिक और धीरे-धीरे परिवर्तन की प्रक्रिया की व्याख्या करती है।

* ग्रेव के शब्दों में - सबसे बढ़कर राजनीतिक व्यवस्था को परिवर्तन प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है जो कार्य करती है। निर्गत का निर्माण करती है, और गत्यात्मक प्रक्रियाओं के निरन्तर संचालन पर आश्रित अपने वातावरण तथा राजनीतिक व्यवस्था के बीच लगातार लेनदेन के साथ अपने पर्यावरण में वह तबदीली लाती है।

* यह उपागम मुख्य रूप से उन परिवर्तनों पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है, जिनका मुख्य परिणाम व्यवस्था में संशोधन करना अथवा उसे ठीक करना है।

जारी -

pol. sc (Hons)
part - I
paper - II

Rama Kant Pandey
S·R·A· P College
B·R·A· B·U· (Muzaffarpur)